Mazdoor Kisan Shakti Sangathan

Village Devdungri, Post Barar, District Rajsamand
Rajasthan -313341

गौरी लंकेश की हत्या : विरोध को हिंसा से जवाब देने की निंदा

अभिव्यक्ति का अधिकार आज़ादी को परिभाषित करता है

“किताब का जवाब, किताब से” - अटल बिहारी वाजपेयी

गौरी लंकेश अपनी आवाज को बिना किसी डर के रखती थी । वह एक ऐसी कन्नड़ पत्रकार थी जो पत्रकारिता के कार्य को पूरी शिद्दत के साथ करती थी । जिन्होंने अपनी निडरता के कारण जान गंवानी पड़ी । 5 सितम्बर 2017 की शाम को हत्यारों ने उनके घर जाकर गोलियों से उनकी जान ले ली ।

गौरी लंकेश निडर और मुखर थीं, साथ ही अपनी आवाज़ को लोगों तक पहुंचाने का प्रबंध करने में कुशल भी । ‘लंकेश पत्रिका’ को सरकारी या कॉर्पोरेट क्षेत्र के विज्ञापनों की ज़रूरत नहीं पड़ती थी. अपने अन्य प्रकाशनों से, जिनमें प्रतियोगिता परीक्षा के लिए पत्रिका निकालने वाला गाइड प्रकाशन भी शामिल था । वे अपनी साहसिक पत्रकारिता का वित्तपोषण करती थीं । साम्प्रदायिक ताक़तों के ख़िलाफ़ वे लगातार लिखती रहीं, और चूंकि उनकी पत्रकारिता के जीवन-स्रोत को काट देना इन ताक़तों के बस में नहीं था, इसलिए उनकी आवाज़ भी दबाई नहीं जा सकती थी । उन्हें चुप कराने के लिए लगातार धमकियां मिल रही थीं और आख़िरकार उन धमकियों को अंजाम दे दिया गया ।

विनाशक, यह असामाजिक शक्तियों द्वारा गठित गिरोहों का ही काम है जो श्री दाभोलकर, कॉमरेड पानसारे और प्रो. कलबुर्गी की हत्या के लिए भी ज़िम्मेवार हैं । ये आलोचनात्मक विवेक की आवाज़ को बर्दाश्त न करने वाले लोग हैं और इनकी राजनीतिक प्रणाली धौंस, धमकी, भीड़ की हिंसा के हाथों कराई गयी हत्याओं पर टिकी है । पर ये भूल जाते हैं कि इनका हर ऐसा क़दम असंवैधानिक, गैर लोकतान्त्रिक और अमानवीयता को प्रेरित करता है । इन ताकतों का हम मिलकर विरोध नहीं करेंगे तो एक दिन ये ताकतें हम सभी को ख़त्म कर देगी ।

इस संकीर्ण सोच और ताकतों के खिलाफ यह संघर्ष जारी रहेगा और हम चुप नही रहेंगे ।
हम गौरी लंकेश की हत्या की घौर निंदा करते है और उनके परिवार के प्रति गहरा दुःख प्रकट करते है । हम सम्बंधित सरकारों से उनके हत्यारों को तुरंत सजा देने की मांग करते है, साथ ही साथ हर नागरिक से अनुरोध करते हैं, कि हिंसा के खिलाफ़ आवाज़ उठाये ।

दिनाक 07.09.17

अरुणा रॉय, निखिल डे व शंकर सिंह
मजदूर किसान शक्ति संगठन परिवार की और से

एवं पी.यू.सी.एल. अजमेर इकाई की और से
डी.एल.त्रिपाटी, डॉ.अनन्त भटनागर,
सिस्टर करोल गीता व ओ.पी.रे.